

प्रचरणमदं कथं उच्चैः प्रविष्टिषु तस्मि  
हृदयम् ॥ ३ ॥

हेवमुच्चैः प्रविष्टिषु कथं ॥ ४ ॥

गच्छति विक्रमं, भावात् ॥  
उच्चैः प्रविष्टिषु कथं ॥ ५ ॥

नमो देवताः उच्चैः प्रविष्टिषु ॥ ६ ॥

पीना भुम्भुः ॥ ७ ॥

कथं ॥ ८ ॥

विश्वं भवति कथं ॥ ९ ॥

हृदयम् ॥ १० ॥

पुंभुभिः श्रीगलमायनमः  
 तं श्रीठेवउराम ॥ कष  
 यामिभरं विहं भयभूषा  
 ठिपं मिवे मिलयः मारिक  
 णायः धं भचभुधुधिल्लीभा  
 विननिहृदियं मेवि विनहृमं  
 विनन्ननभा, विनधुधुधुधुधु  
 विविननं भं मउरुलभा, विन  
 म्ममानगभनं विनमभयुधुधु  
 नभा मयलठेठले भचउं वि  
 मुं मयधचडि यामेवीमउर  
 लेक मिलकुधुधुधुधुधुधु  
 लठवुडि विहं उं भं विहृडिउ

म.  
 भ.  
 ०

भभी, भैवभंभरिलंरुविपर  
 भैवदरायिनी, परं धरं पूरुधु  
 तुभरु विरुद्रिकमिल, उभ  
 रभभरुभुं उवल्लय मिभरुभु  
 रुभा ररुभुं भभभचभुं भचरु  
 ररुवन्नरुभा। धैरण्येदुरभंवि  
 सुं पठेरुभरुभुं कभा पण्ये  
 कुवसंरुिहं पठेरुं हे सुं पण्ये  
 किं उभुभुं रुं लेकं न प्रयसु  
 रुमी सुवि ॥ सुभुमी भुनभ  
 भरुभुं सुमी भरुभुं वदधिः डि  
 धुभा कः सुमी रिकरुगवडी  
 रुं वडा मंवीरुं सुमी रुं रुं की  
 लकभा सुमी विरुभुं रुं रुं रुं

कृमिहृन्नि ॥ शत्रुघ्नः

कृकमभेवाऊ कभविनिये  
गः ॥ सुषुप्तभा ॥ बालक  
केटि कुतिभिन्नु सुकुं वरभिस  
रुहय वरुभा सुभा भिंरुति  
कुं मिवव भवेवलीनं करे  
मेउमिसा गिकेसीभा ॥ ० ॥  
विंहीमीं कुं कुं सुं सं भिंरुति  
यै सुभा भवेवलीनं मिलाये, मदे,  
सुहे, सात्रये, सुभाये, सुभाभ  
येषाये, मेहे, समारुतिभये ।  
समारुतउसायये, समुल  
समवभनये, सात्रये, समुल  
वारनये । गेदे, पम्भवे, पी  
नये पीनवरीणकु, मलाये ॥

म,  
म,  
9



पीडभुगयै, रजुमजुयै, मडि  
 भीजुमभुगयै, भुगमजुगु  
 यमिडयै, मीजुयै, मीजुमि  
 ययै, मययै, मयवहै, कल्प  
 लतायै, कल्पजुमफनेधभयै ।  
 ठैरहै, ठीभनमयै । ठयानक  
 भयै ठीगयै, कगयै, कगह  
 कुपयै, कुमजुल्लयै, लमैरहै  
 कसभुदे, पडिभुयै, परभयै,  
 परमैसुदे, भहै, भरभुहै, भ  
 हयै, भहभहभुजुपिल्लै, परभ  
 गयै, पणकगयै, पणल्लयै,  
 पणल्लभुगयै, पडिहै, पडुव  
 मनयै, पडुयै, पडुकगयै ।

मित्रये मित्रस्यये मरुतु  
 तुये, मरुतु। मरुतुये, विठवदे,  
 सुभलये, मरुतुये, पणये, पी  
 ठे, पीवरतुये। सुमित्रये,  
 भमलणये, भउतु, भपुत्रभु  
 ये, वीतुगीतुधिये, गणये।  
 गामतु, गमरुतुये। सुजीवभु  
 मरुतुये, सुनदे सुनगलक  
 ये। सुलकये, नकभपुभुये।  
 पातलतलमारितु, सुनतुये।  
 सुनतुतुपये, मरुतु, मभकरीलि  
 है। विठये मरुतुभवलये, भम  
 मरुतुभरथातुतु, मणये, मरुतु  
 रेमरुतु, नधनवल्लतये रुविधे,

म.  
 म.  
 ७

हृवां हृवां उव भनमिने भो लि भालि हृकुं रायं वि  
 उ मम पर कल विभु विभु वं मभो, ये भरी मे लथ  
 उ भनभा भनरी वि भद वि नरुः ५ हेंः भठ वति भन कु

शुद्धये, शुद्धमने ह्ये, शुद्धकुव एभान  
 शुद्धि ह्ये, शुभये, शुभेव प्रह्ये, भन वर  
 शुभ भवे, शुद्ध प्रण कये, सुनन  
 कन ह्ये, कनये, शुद्ध भाने, मिवा  
 लयये, सुननये, मिद्ध वा कन  
 ये, ठव भुं, शुभ पकये, विप्र सु  
 दे, गल मने, विप्र विप्र भिने  
 निमये, वमये, वमि एन भु ह्ये  
 भु उये, सु उि पन ये, सु उये, वे ह्ये,  
 वम भये, वि ह्ये, विण उ वर मये,  
 वमै, वमये, वमै सुदे, वम भये,  
 कुल कुल विम रि ह्ये, वि उ कु उ कु  
 नि लय ये, ए लय न ल भ वि ठये,  
 यल्ल सुदे, यल्ल भाय ये, यण क

उल्लिभि  
 नरु ह्ये  
 ०

ये ॥ ३५



यानपङ्कगयै, यज्ञोसुद, यज्ञोसुद  
 थचडै, थचडसुययै, थिलंथिल  
 यै, थससुनयै, थससुयै, नरकतु  
 कयै, नद, नदधिययै, मीसुयै ।  
 मीसुमीसुयै, मरगुणयै, कभसुद ।  
 गउयै, सुउयै, सुसुउयै, नववाफनयै २५  
 रुगीसुद, रुगिवसु, रुगकसुमभलि  
 उयै, रुप्रधयै, सुनउयै, वेसुयै ।  
 भसुपयै, भसुधयै, भचरिग  
 रुगयै, भसु, भसुकतु, भसुभरु  
 यै, भपहे भपवीवल्लै, भपभउ  
 म. ये, भसुलभयै, भसुधिययै ।  
 म. भसुदरयै, रुगिकतुयै, भनेन  
 २ नय, भसुवेसुधिययै, वेसुयै ।  
 वेसुभारयै, भसुसुउयै । ३३



विष्णुके ॥ वसुके ॥ भुव ॥ नगप ॥ इवि ॥ उण  
 नीगदम ॥ कुल ॥ कुमा ॥ ताल ॥ कुवि ॥ भसु ॥ सा  
 ननवि ॥ भसु ॥

येष्टाये  
 भुमठवे  
 कुविभा  
 चकेमः

मम ॥ तु ॥ दीनव ॥ भु ॥ गुह ॥ गुह ॥ ग ॥  
 नीय ॥ कुल ॥ कुक ॥ कल ॥ भा ॥ पा ॥  
 ये ॥ क ॥ ग ॥ ये ॥ क ॥ म ॥ भ ॥ ये ॥ नीला  
 ये ॥ न ॥ कु ॥ वा ॥ गी ॥ ये ॥ कु ॥ चा ॥ ये ॥ नील ॥ भ  
 व ॥ भ ॥ ये ॥ सु ॥ पा ॥ ग ॥ ये ॥ पा ॥ व ॥ ग ॥ ये ॥ ग ॥ भ ॥  
 ये ॥ गी ॥ उ ॥ ये ॥ भी ॥ उ ॥ ये ॥ प ॥ ये ॥ प ॥ ग ॥ ये ॥ प ॥ ये ॥  
 प ॥ भ ॥ म ॥ स ॥ सु ॥ य ॥ ये ॥ पा ॥ व ॥ म ॥ न ॥ उ ॥ ये ॥  
 ७. सु ॥ ल ॥ भ ॥ ये ॥ भ ॥ र ॥ न ॥ नि ॥ ल ॥ य ॥ ये ॥ नी ॥ उ  
 ये ॥ की ॥ उ ॥ ये ॥ की ॥ उ ॥ क ॥ द ॥ क ॥ ध ॥ ये ॥ ७१  
 क ॥ म ॥ ये ॥ क ॥ भ ॥ ये ॥ क ॥ प ॥ म ॥ ये ॥ क ॥ म ॥  
 उ ॥ ले ॥ भि ॥ ध ॥ ये ॥ प ॥ भ ॥ ये ॥ ७०० ॥ ग ॥ भ ॥ ये  
 'ग ॥ भ ॥ धि ॥ य ॥ ये ॥ उ ॥ वा ॥ ये ॥ स ॥ व ॥ ह ॥ स ॥ व  
 व ॥ क ॥ ला ॥ ये ॥ सु ॥ ह ॥ सु ॥ उ ॥ ग ॥ उ ॥ ये ॥ म ॥ भ ॥  
 ये ॥ म ॥ भि ॥ ह ॥ वि ॥ रा ॥ य ॥ ये ॥ रा ॥ य ॥ ये ॥  
 स ॥ मे ॥ ध ॥ भ ॥ र ॥ भ ॥ भ ॥ प ॥ ह ॥ य ॥ नि ॥ मे ॥ ध ॥ भ ॥

भूमि ॥ ७३

वरिहै वरभुलसुयै, लभुका-  
 सुकवल्लकयै, मरुपयै, निनुहै,  
 मरुयै, मरुयै, मरुधिवचिहै ॥  
 मरुयै, यरुचकयै, यरुयै, यरु  
 यरुयै, यरुमिहै, यरुयै, मरुयै, मरुयै  
 मरुवरुयै, गालुमरुयै, मरुद, प  
 दै, धेरुमरुद, धुलभै, धुलभै,  
 धुलककुयै, धुलभै, वनकुवै,  
 वरुयै, वरुद, वरुमरुयै, मरु  
 मरुवल्लनिलययै, मरुमरुगुमरुवल्ल  
 कयै, मरुमरुभुभुमरुल्लयै, मरु  
 लिहै, मरुपभुयै, केमभुयै,  
 केमवामरु, मरुभुउयै, मरुलभु  
 मरुयै, मरुभुयै, मरुभुयै, मरुभुयै,  
 मरुचवल्लभुयै, मरुउयै, मरुचक

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri







[illegible]

कामधुदै, केमलधुदै, कम्पीदै उ  
 कुभसुउयै, ऊडुयै, ऊजयै, मुल  
 शीएरुयै, केमलधुदै, ऊनऊ  
 लायै, करालधुयै, करालधुदै,  
 विकरालधुयै, कभालका  
 यै, कभुधुयै, कभिधुदै, कभ  
 धालिधुदै, कभुधुयै, दधकधुदै,  
 ककारधुयै, कभुधुयै, अपसुधुयै  
 यै, अपरुधुयै, अपसुधुदै, अपगगभिधुदै,  
 अपगधुयै, अपलैलधुदै, अपलैधुदै,  
 अपलनमिधुदै, अपलकाधुयै, अपलभुयै,  
 अपलसुधुयै, अपलभुयै, अपलभुयै,  
 शीएनिलैयै, अपलभुयै, अपलभुयै,  
 कयै, गुडुयै, गरुधुयै, गरुधुयै,  
 गरुधुयै, गरुधुयै, गरुधुयै, गरुधुयै,

७७

मीमांसिक ये उवभन्तु भन्तु ये नभ भन्तु राधो  
 भद्रे मि उह लि कु भे रि थ व ज ल इ ती व सी ठ व  
 इ ठ क ली क भे ले : ॥

गमरुभुयै, गमरुभुवगभुसा  
 ये, गेणये, गेवादनमभु, गे  
 लमनवल्लुयै, गभीदकुध  
 लयै, गभुयै, गगललविभुध  
 लयै, गभुयै, गभुयै, गभुयै  
 ये, गभुयै, गभुयै, गभुयै  
 भुयै, गभुयै, गभुयै, गभुयै  
 पयै, गभुयै, गभुयै, गभुयै  
 हयै, गभुयै, गभुयै, गभुयै  
 एभुयै, वल्लनिलययै, एभु  
 भुयै, एभुल्लययै, एभुयै  
 रेभुयै, सुननएभुयै, एवल्ल  
 कभुयै, मभीकरमभुयै,  
 मभुयै, मभुयै, मभुयै, मभुयै  
 मल्लयै, मल्लयै, मल्लयै, मल्लयै

उरुमि  
 नैवादन

मन्त्रकलामदं, मन्त्रगीकमृगल  
 धये, मन्त्ररुद्रमुद्रपिष्टे, मन्त्र  
 ये, मन्त्रुष्टे, मन्त्रे, मन्त्रये, मन्त्र  
 कभत्रिकये, मन्त्रमुकपणये ।  
 मन्त्रवे, मन्त्रागव, मन्त्रधुये, क  
 ड्डे, कड्डणये, कड्डनये, कड्डभम  
 ये, कड्डविषे, कड्डभुतप्रिया  
 ये, कड्डये, कड्डवल्भलभारुक  
 ये, कड्डभुये, कड्डगते, कड्डिष्टे  
 कड्डुपये, कड्डयगये, कड्डमये  
 कड्डकड्डे, कड्डाकड्डे, कड्डदगये  
 कड्डष्टे, कड्डभुमभुष्टे, कड्डदुष्टे  
 कड्डवदये, कड्डे, कड्डगिवरुग  
 ये, कड्डिवनये, कड्डिववदुमये, क  
 गूउये, कड्डविष्टये, कड्डहेनये ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मा.  
म.  
उ



एलरुगयै एलरुगणायै, एया  
ये, एकाकारभाउकयै, गण्य  
ये, गिष्ठीसुदै, गण्ठायै, गृक  
करभाउकयै, कत्रुपयै, कि  
हैं, वभयै, लकरसै, ललायण  
यै, लवनवीराकुधाम्भयै, लका  
गठारभाउकयै, एङ्गयणयै ए  
कगम्भयै, ऐएबीडभुजुतलयै,  
एङ्गयणयै, एलीरुपयै, एकर  
द्वारभाउकयै, ०क्रुगयै, ०क्रुमीमा  
है, ०करहिउयै सुदै, ०ः भ्रुकुपयै  
०वल्मम्भयै, ०कराकरभाउक  
यै, मुक्कयै, मुकि सुदै, मिभयै, +  
मुवल्लारभाउकयै, मीमयै,  
मुत्तयै, म्वजात्रायै, म्कराकर

वीरेश्वरप्रतिम इत्युक्तं  
तद्विग्रहम् ॥

उदै । उदाउलायै, उलायै रिपुग  
 ये उममप्रियायै, उउलायै उरि  
 है, उरायै, मभुविंसतिप्रिये, रि  
 भुगयै रिगुलपुष्ययै, दुधकुसु ॥  
 हिलेकपुते, रिबजेसु, दुयै दुहा  
 रिभुगयै वरुप्रिये हिलेकए  
 नहै, उरायै रिपुगसुगप्रियायै,  
 उपसु उमगप्रियायै, उभुगभुन  
 नमिहै । उलाकेदिभुनयै, उधु ।  
 उपमंकलवचिहै, उदै उरलिगु  
 पायै, उगकभुगप्रियायै, उला  
 है उममप्रियायै उकागठारभाउकयै ।  
 मूलै भुविगुपायै भुनयै भु  
 है भुलुप्रियायै, भुविगमयै भु  
 नभापु वकागठारभाउकयै ।

म,  
 म,  
 ७

मुडिकुयै, भिवकुहै, मुडायुप  
 उगयै, मुडयै, मीनयै मीनत्र  
 कम्पयै, मुडै लिणवन्नरुयै।  
 मसाम्भारिहै, मुकयै मुविउसै,  
 मवीयसै, मङ्गयहै मुमलउयै,  
 मवभउ, मुमिमवउयै, मणिलयै,  
 मुङ्गठयै, मुहै मकगठतिभउक  
 यै, पङ्गयै, पङ्गयै, पङ्गयै, पङ्ग  
 यै पङ्गवचिहै, पङ्गै प्रङ्गयै, पङ्गव  
 सै, पङ्गगङ्गारभाउकयै, नलिहै,  
 नालिकयै, नङ्गयै, नङ्गमायुप  
 विहै, नीपै पवनभउभुयै, नङ्ग  
 सै, नङ्गउभयै, नङ्गसुदै, नङ्गपृष्ठा  
 यै, नङ्गनङ्गयलभुसै, नङ्गहै, नीर  
 लङ्ग, नवन्तङ्गगङ्गयै, पङ्गसुदै,







ठडु रे सुँ, ववुळ रुडि भाटु काये ॥  
 ठासु काये, ठीम पडुँ, ठीम ये, ठज  
 मिण ये, कया ये, कय थुँ, ठीम ना  
 थुँ, कयान क भुण काल ये, ठिल्ल  
 सुँ दे, ठीडि पग ये, ठमू मये, ठगु  
 वचि हे, ठग माला ये, ठगाव भा  
 ये, ठग विभु ये, ठगी उभा ये, ठग  
 येन ये, ठगा कग ये, ठग मु ये, ठ  
 गडु थि हे, ठग लिङ्ग भउ थी उ ये,  
 ठकाग व भाटु काये ॥ भाटु ये,  
 भाव प्रम ये, भीन ये, भीन के उन  
 लाल भा ये, भमि कु उ ये, भने न  
 ह ये, भन ये, भने के वडल ये।  
 भाग ह, भडु डु पा ये, भडु थपा ये,  
 भडु उग ये, भन म डु गू डु म ये

[illegible]

उलिभि

५१

गउभापयै, रक गउउमोपयै ॥  
 लभुंरुदै, लललिङ्गयै, लभुयै,  
 उदरभनभा, लउयै, उउविउग  
 भुयै, लहुँ, लएलयानिहै, लि  
 कसुदै, लि कणहै, लएभुयै,  
 लहुँ, लउयै, लहुँ, लभुकमि  
 लभुयै, लकारगकारवचिहै, ॥  
 लिङ्गभूउयै, कलिङ्गहै, लिङ्ग-  
 भुयै, लिङ्गलिङ्गिहै, लिङ्गसुदै,  
 लिङ्गरभुयै, लिङ्गभालयै, लल  
 सुउय, लयभुयै, लहुँ, लयै, लि  
 लयै, लकारगकारभुउकायै, ॥  
 दगयै, वरणहै, वीरभुँ, वीरनहि  
 है, वीरसुदै, वीरराहायै, वीरमच  
 मन्निउयै,



वराचण्यै, वराक्यै, वामनायै, व  
 भनान्तये, वप्रतायै, वचक्यै वष्ट  
 यै, वष्टुवै, वनिष्पिष्ययै, वम  
 तुल्यै, वष्टुवै, वष्टुकै सुदै, वष्टुपि  
 ययै, वामनैर्यै वामनायै कला  
 लमायै, वष्टुयै, वष्टुयै, वरागै  
 यै, वमभारै, वमभारै, वष्टुयै  
 यै, वष्टुयै, वकागै मारभारुका  
 यै॥ मष्टुपिष्ययै, मष्टुपिष्ययै, मा  
 तुल्यै, ममिवस्तुल्यै, मीतुमुति  
 च। मीतुमभारै, मीलिष्टुयै, मीरु  
 पुष्टुयै, मीवस्तुल्यै, मवष्टुयै,  
 मचै वामनायै वामिष्टुयै, ममाष्टुमल  
 ल्यै, ममाष्टुल्यै, ममिष्टुयै, म  
 वष्टुयै, ममीष्टुल्यै मकागै सुम  
 ण्यै,

म.  
 म.  
 ०९



कुञ्जसमकुण्डलमनुभारं लयस्त्रिवयः भद्रकैलि  
 नैलः, रुद्रभारं ॥ भवैरिव जं दद्रुवमुपतिः

धसुसु, धसुमेरुंभार्ये, धसुधसु  
 ये, धसुननये, धसुएये, धसुभा  
 धसुये, धसुमीति भाषाधुएये, ध  
 सुसुएनये, धसुये, धसुगगार  
 भासुकरये ॥ भद्रभुतभुसु, भद्र  
 ये भद्रगये, भद्रति भाषाये, भ  
 भाये, भ्रीतये, भद्र, भद्र, भद्रग  
 कयभाषितु, भद्रमुपाधमभद्र ।  
 भालकल्ले, भद्रकिल्लये, भद्रभुये,  
 भद्रभार्ये, भद्र, भद्रभाषये, भद्र  
 वसएये, भद्रप्रियये भद्रभाषये,  
 भद्रभुये, भद्रवल्लकये, भद्रके  
 सु, भद्रनये, भद्रवल्लभुये, भद्रउ  
 नये, भद्रभुतये, भद्रभाषये, भद्र

भद्रकैलि  
 भः ॥

उल्लि  
 मि।  
 भद्र  
 भा  
 उ..

भद्रकैलि ॥ ००

५०३  
पुं० पुं० एनमुहं वहुं वैष्णव  
एतन्मा । यद्वत्थं येन विम  
वयेन सल्लित्वा । साधवकगव  
नेष्टिः भट्टभट्टभट्ट सुवि ॥ एक  
कालं चिकानं वाडिकालं ५०३ नरः

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri



[illegible]

म.  
५.

भवामागधरिदेवि तस्युध  
 दलंम/र, अकडुं वणिगडुंम  
 उधुंरुदसुसिहिकभा, वउ  
 धितु कडुनुलं वउमवविधु  
 मिकभा, मसुः मभयउमवि,  
 मसुययः थठविमि, मधम  
 रंकलेपीडुं मुलं गिमुठगव  
 रभा, भासभाउं थठसुमु मवेगे  
 मुसुउप्रवभा, ठिमेमविमिने  
 वाधि मसुभपे थठसुमि, मसु  
 मुसुभमसगनि, मारिकवरु  
 ठवेडा, वरुडुं गुदिदहं मग  
 धानं मगेवभा, मरुभाउक  
 मसुउं गुठउल्यगिमुवभा ॥

सुयं वदन्तु कुरुतु वदन्तु मय  
 वदन्तु मयः । भावधरमः ५  
 इयमस्मीनेकप्रलितः, वर  
 मनकमेकविषयमेकउवल  
 ठः, मरुत्तनेथं सुसु, भायक  
 रेविभविष्णु, शिवं सुसुयय  
 ज्ञः भठवमेरवेष्टरः । किं किं न  
 नठउरेवि, भायके वीरभायकः ।  
 भठवदन्तु वलेकभठभायधरः  
 मिवः । रेवीमभुष्टु रेवेमि, थं  
 सुसुधरभयम । उदनेकभुष्टु  
 उदनेकभुष्टु शिवं सुसुयय, उति  
 नमभुष्टु उमरिकयः भुष्टु  
 भुष्टु गेष्टु उमनेक गपनीयं सु  
 येनिक ॥ उतिमीनदियभले  
 उति मविष्टु सुमीमारिकभठनम  
 भठमं भुष्टु भुष्टु ॥

म.  
 म.  
 ०५



विनमरेकगवतु सारिकयेनभः॥  
 एयठगवति, विवृणमिनि, के  
 लामवमिनि, म्मानवमिनि, रु  
 द्धिरिलि, कालायनि, कष्टायनि ।  
 दिभमिनि उनये, उभारभातः ।  
 मेविनरुमिनि, मित्रिकैरुठरु  
 मधुममकुले, कुण्डवयले  
 मधुते, कीयुररुठरुले, ए  
 य, यकु, रिमुल, मरु, भद्र, र  
 धरमु, रुभरु, समकले, मरु,  
 मथ, वरु, रुय, धाम, प्रमुक  
 कथाल, यष्टु, कुलग, गम,  
 भुभल उभारवरदमु, रुधारे,  
 प्रमुत विविणयुते, मधुके ।

मङ्गल्यल्ले, किण्ठवसे, वृक्ष  
 लि, मङ्गलि, नङ्गयलि, वृक्ष  
 मारिलि, मिष्टुतयेविणयिनि,  
 वरुमातः, गायदिभाविनि, मर  
 सुति, मचणारे, मचसुति, वि  
 सुसुति, किमुकतः मभाविनि  
 मरुमपे, मिन्मये, मिन्मभलि  
 मरुपे, कैवल्ले कैवल्ले मरुपे ।  
 मिने, निरामये, निरामाणिम  
 ये, वृक्षविल्लुभरु सुत्रभिउ,  
 मेदिनि, उधलि, ठयङ्करुय  
 रामिनि, मिडिभुत भूमविनि ।  
 कल्लायिनि, कल्लायिमिपे ।  
 कल्लारु, मरु निह मिन्दरु,

म.  
 सु.  
 ०५

येगरो, येगीसुवनभित्ति, ठ  
 जिहानवकुले, भगधियक  
 गिलि, मुने, मुलये। ऊन  
 मेरुघामा ऊन मेरुघामा  
 उडिमीनक्रिणीमते, सुन्दर  
 मउभरुभुं मगरिकभुवः  
 मभगुः ॥ श्रीरवम् ॥  
 हंसभि रूढः। १० हं  
 मुति धर्मु मभगुभा ॥ ॥  
 श्रीरामभनिदर मन्त्रे लठते॥